भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

20.08.2025 के

अतारांकित प्रश्न सं. 4456 का उत्तर

जौनपुर जिले में रेल स्टेशनों की खराब स्थिति

4456. एडवोकेट प्रिया सरोज:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) जौनपुर जिले में रेल स्टेशनों का ब्यौरा क्या है और उनकी संबंधित श्रेणियाँ (ए1, ए, बी, आदि) क्या हैं;

(ख) जौनपुर जिले और आसपास के क्षेत्रों में उन स्टेशनों का ब्यौरा क्या है जहाँ पेयजल, बैठने की व्यवस्था, शौचालय, रोशनी और डिजिटल डिस्प्ले जैसी मूलभूत यात्री सुविधाओं का अभाव है;

(ग) क्या अमृत भारत स्टेशन योजना/स्टेशन पुनर्विकास योजनाओं के अंतर्गत इन ग्रामीण स्टेशनों के आधुनिकीकरण/पुनर्विकास का विचार है; और

(घ) यदि हाँ, तो ऐसे उन्नयन कार्य को पूरा करने की समय-सीमा क्या है और उक्त जिला स्टेशनों के लिए कितना बजट आवंटित किया गया है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): वर्तमान में, यात्री सुविधाओं के प्रावधान हेतु रेलवे स्टेशनों को अनुपनगरीय ग्रेड (एनएसजी), उपनगरीय ग्रेड (एसजी) और हॉल्ट ग्रेड (एचजी) स्टेशनों के रूप में वर्गीकृत किया गया है। इसके अलावा, इन समूहों को यात्री खंड से आमदनी और/अथवा स्टेशन पर आने वाले

जावक यात्रियों के आधार पर क्रमशः एनएसजी (1-6), एसजी (1-3) और एचजी (1-3) तक के ग्रेडों में रखा गया है।

जौनपुर जिले में 28 रेलवे स्टेशनों का उनकी संबंधित कोटियों के साथ विवरण निम्नानुसार हैं:

कोटि	स्टेशन का नाम
एनएसजी-3	जंघई, जौनपुर, शाहगंज
एनएसजी-4	जौनपुर सिटी
एनएसजी-5	बादशाहपुर, मरियाहू, श्रीकृष्ण नगर, जाफराबाद
एनएसजी-6	बख्शा, बिलवाई, हरपालगंज, जलालगंज, खेता सराय, मेहरवाँ, महगावाँ, निभा पुर, सराय हरखू, सरकोनी, त्रिलोचन महादेव
एचजी-2	बरसेठी, जरौना
एचजी-3	भन्नौर, कजगाँव टेढ़वाँ, कटवार बाजार, मानी कलाँ, सलखापुर, शुनीपुर, वारीगाँव नेवादा

जौनपुर जिले में रेलवे स्टेशनों पर मानकों के अनुसार प्रतीक्षालय, प्लेटफॉर्म शेल्टर, पेयजल, शौचालयों, बैठने की व्यवस्था, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, आदि जैसी न्यूनतम अनिवार्य सुविधाएं उपलब्ध हैं। भारतीय रेल में स्टेशनों का उन्नयन/आधुनिकीकरण एक सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्य आवश्यकतानुसार, परस्पर प्राथमिकता और धन की उपलब्धता के अध्यधीन किए जाते हैं। स्टेशनों के विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण

के लिए कार्य को मंजूरी देने और निष्पादित करते समय निचली कोटि के स्टेशनों की तुलना में उच्च कोटि के स्टेशनों को प्राथमिकता दी जाती है।

ग्राहक अनुभव में वृद्धि करने और बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए, भारतीय रेल ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है।

इस योजना में स्टेशनों में सुधार करने के लिए मास्टर योजना तैयार करना और उनका चरणबद्ध निष्पादन शामिल है। इस मास्टर योजना में निम्नानुसार शामिल हैः-

- स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुंच में सुधार,
- स्टेशन का शहर के दोनों छोर की ओर एकीकरण,
- स्टेशन भवन में सुधार,
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, पानी के बूथ में सुधार,
- यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े पैदल पार पुल/एयर कॉनकोर्स का प्रावधान,
- लिफ्ट/स्वचालित सीढ़ियों/रैंप का प्रावधान,
- प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार/प्रावधान और प्लेटफॉर्म पर कवर,
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान,
- पार्किंग क्षेत्र, मल्टीमोडल एकीकरण,

- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं,
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली,
- प्रत्येक स्टेशन पर आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए एक्जीक्यूटिव लाउंज का प्रावधान, व्यावसायिक बैठकों के लिए नामित स्थान, लैंडस्केपिंग आदि शामिल हैं।

इस योजना में दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, आवश्यकता, चरणबद्धता और व्यवहार्यता के अनुसार गिट्टी रहित रेलपथ आदि का प्रावधान तथा दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेंटर के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

अभी तक इस योजना के अंतर्गत विकास हेतु 1337 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है, जिनमें उत्तर प्रदेश राज्य के 157 स्टेशन शामिल हैं। उत्तर प्रदेश राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास हेतु चिह्नित किए गए स्टेशनों के नाम निम्नलिखित हैं:

राज्य	अमृत स्टेशनों की संख्या	अमृत स्टेशनों के नाम
उत्तर प्रदेश	157	अछनेरा, आगरा कैंट, आगरा फोर्ट, ऐशबाग जं., अकबरपुर जं., अलीगढ, अमेठी, अमरोहा, आनंद नगर जं., आंवला, अयोध्या धाम जंक्शन, आज़मगढ़, बाबतपुर, बछरावां, बदांयू, बादशाहनगर, बादशाहपुर, बहेड़ी, बहराईच, बालामऊ जं., बलिया, बलरामपुर, बनारस, बांदा, बाराबंकी जं., बरेली, बरेली सिटी, बढ़नी, बस्ती, बेल्थरा रोड, भदोही, भरतकुंड, भटनी, भूतेश्वर, बिजनौर,

		बुलन्दशहर, चंदौली मझवार, चंदौसी, चिलबिला, चित्रकुट धाम कर्वी, चोपन, चुनार जं., डालीगंज, दर्शननगर, देवरिया सदर, धामपुर, दिलदारनगर, इटावा जं., फर्रुखाबाद, फतेहाबाद, फतेहपुर, फतहपुर सीकरी, फिरोजाबाद, गजरौला, गढ़मुक्तेसर, गौरीगंज, घाटमपुर, गाजियाबाद, ग़ाज़ीपुर सिटी, गोला गोकर्णनाथ, गोमतीनगर, गोंडा, गोरखपुर, गोवर्धन, गोविंदपुरी, गुरसहायगंज, हैदरगढ़, हापुड, हरदोई, हाथरस सिटी, ईदगाह आगरा जंक्शन, इज्जतनगर, जंघई जंक्शन, जौनपुर सिटी, जौनपुर जंक्शन, कन्नौज, कानपुर अनवरगंज, कानपुर ब्रिज लेफ्ट बैंक, कानपुर सेंट्रल, कप्तानगंज जंक्शन, कासगंज जंक्शन, काशी, खलीलाबाद, खोरासों रोड, खुर्जा जंक्शन, कोसी कलां, कुंडा हरनामगंज, लखीमपुर, लालगंज, ललितपुर जंक्शन, लंभुआ, लोहता, लखनऊ (चारबाग) एनआर, लखनऊ सिटी, लखनऊ जंक्शन (एनईआर), मां बेल्हा देवी प्रतापगढ़ जंक्शन, मगहर, महाराजा बिजली पासी, महोबा जंक्शन, मैलानी जंक्शन, मैनपुरी जंक्शन, मल्हौर, मानक नगर, मानिकपुर जंक्शन, मारियाहू, मथुरा जंक्शन, मऊ जंक्शन, मेरठ सिटी जंक्शन, मिर्ज़ापुर, मोदीनगर, मोहनलालगंज, मुरादाबाद जंक्शन, मुजफ्फरनगर, नगीना, नजीबाबाद जंक्शन, उरई, पनकी धाम, फाफामऊ जंक्शन, फूलपुर, पीलीभीत जंक्शन, पोखरायां, प्रयाग जंक्शन, प्रयागराज जंक्शन, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, रायबरेली जंक्शन, राजा की मंडी, रामघाट हाल्ट, रामपुर जंक्शन, रेनुकूट, सहारनपुर जंक्शन, सलेमपुर, स्योहारा, शाहगंज जंक्शन, शाहजहाँपुर, शामली, शिकोहाबाद जंक्शन, शिवपुर, सिद्धार्थ

		नगर, सीतापुर जंक्शन, सोनभद्र, श्रीकृष्ण नगर, सुल्तानपुर जंक्शन, सुरेमनपुर, स्वामीनारायण छपिया, तकिया, तुलसीपुर, टूंडला जंक्शन, उझानी, ऊंचाहार, उन्नाव जंक्शन, उतरेतिया जंक्शन, वाराणसी कैंट, वाराणसी सिटी, विंध्याचल, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, व्यासनगर, जाफराबाद

उत्तर प्रदेश राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य तेज गति से शुरू किए गए हैं। अब तक इस योजना के तहत उत्तर प्रदेश राज्य में 20 स्टेशनों (अयोध्या धाम, बलरामपुर, बरेली सिटी, बिजनौर, फतेहाबाद, गोला गोकर्णनाथ, गोमती नगर, गोवर्धन, गोविंदपुरी, हाथरस सिटी, ईदगाह, आगरा जं., इज्जतनगर, मैलानी, पुखरायां, रामघाट हॉल्ट, सहारनपुर जं., सिद्धार्थ नगर, सुरेमनपुर, स्वामीनारायण छपिया, उझानी) के चरण-1 के कार्य पूरे किए जा चुके हैं। अन्य स्टेशनों पर भी कार्य तेज गति से शुरू किए गए हैं और उपर्युक्त कुछ स्टेशनों की प्रगति नीचे दी गई है:

- शाहगंज जंक्शन स्टेशन: परिचलन क्षेत्र में 6 मीटर चौड़े पैदल पार पुल और चहारदीवारी का कार्य शुरू किया गया है।
- जौनपुर जंक्शन स्टेशन: नए स्टेशन भवन, प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर और शौचालय ब्लॉक का संरचनात्मक कार्य शुरू किया गया है।
- जौनपुर सिटी स्टेशन: प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर का कार्य शुरू किया गया है।

- **मरियाहू स्टेशन: स्टेशन भवन, परिचलन क्षेत्र, शौचालय, प्रतीक्षालय, प्रकाश व्यवस्था और दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं का कार्य शुरू कर दिया गया है।**
- **बादशाहपुर स्टेशन: स्टेशन भवन, प्लेटफार्म शेल्टर, परिचलन क्षेत्र, शौचालय, प्रतीक्षालय, प्रकाश व्यवस्था और दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं का कार्य शुरू कर दिया गया है।**
- **श्रीकृष्ण नगर स्टेशन: स्टेशन भवन, प्लेटफार्म शेल्टर, परिचलन क्षेत्र, शौचालय, प्रतीक्षालय, प्रकाश व्यवस्था और दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं का कार्य शुरू कर दिया गया है।**

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए दमकल विभाग, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं) को स्थानांतरित करना, अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के समापन समय को प्रभावित करते हैं। अत:, इस समय कोई समय-सीमा नहीं बताई जा सकती है।

अमृत भारत स्टेशन योजना सहित स्टेशनों का विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण सामान्यतः योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत वित्तपोषित किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आबंटन और व्यय का विवरण क्षेत्रीय रेलवे-वार रखा जाता है, न कि कार्य-वार या स्टेशन-वार या राज्य-वार। उत्तर प्रदेश राज्य पाँच क्षेत्रीय रेलों अर्थात् पूर्व मध्य रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे, उत्तर रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे और पश्चिम मध्य रेलवे के अधिकार क्षेत्र में आता है। इन क्षेत्रीय रेलों के लिए वित्त वर्ष 2025-26 के लिए ₹4,358 करोड़ का आबंटन किया गया है, जिसमें से अब तक (जुलाई, 2025 तक) ₹1,213 करोड़ का व्यय किया गया है।

******